हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

12 नौतपा आज से, 9 दिनों में सूर्य को अर्घ्य दें, जल व छाया...

12 धांगड़ में गूंजे देशभक्ति के गीत तिरंगा यात्रा में उमड़े ग्रामीण

खबर संक्षेप

सैलून संचालक ने फंदा लगाकर दी जान

सिरसा। कालांवाली के वार्ड नंबर 4 में एक सैलून संचालक ने मानसिक परेशानी के चलते फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को अस्पताल में पहुंचाया। जानकारी के अनुसार कालांवाली के वार्ड नंबर 4 निवासी अमनदीप रेलवे स्टेशन के पीछे सैलून चलाता था। सुबह वह दुकान पर आया था, लेकिन सायं को घर नहीं गया।

डीसी-एसपी गांव मुंदलिया में करेंगे रात्रि प्रवास

फतेहाबाद। रात्रि प्रवास के अंतर्गत उपमंडल टोहाना व उप तहसील जाखल के गांव मुंदलिया के राजकीय प्राथमिक स्कूल में 27 मई को सायं 5 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नगराधीश गौरव गुप्ता ने बताया कि रात्रि प्रवास के दौरान उपायुक्त मनदीप कौर और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ग्रामीणों से समन्वय स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं से अवगत होकर उनका समाधान करवाएंगे।

थेहड़ मोहल्ला में दिनदहाड़े लाखों की चोरी

सिरसा। पुलिस ने गली रिंकू एमसी वाली निवासी सचिन जिंदल की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी व सेंधमारी का मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में सचिन ने बताया कि शुक्रवार सुबह 10 बजे वह अपनी माता को लेकर किसी काम से बाहर गया था। जब वे घर लौटे देखा कि अज्ञात व्यक्ति घर से तीन सोने की अंगूठी, एक चांदी का कड़ा, पांच पाजेब व 3500 रुपये की नगदी चुरा ले गया।

भारी मात्रा में गांजा सहित आरोपी काबू

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत एवीटी स्टाफ की पुलिस टीम ने भट्टू क्षेत्र से एक युवक को गांजा सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सुधीर पुत्र हरि सिंह निवासी बोदीवाली के रूप में हुई है। एवीटी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एएसआई सुखविन्द्र सिंह के नेतृत्व में गश्त पर थी।

2.305 किलो चूरापोस्त सहित व्यक्ति काबू

सिरसा। पुलिस ने गांव मल्लेकां क्षेत्र से एक व्यक्ति को 2 किलो 305 ग्राम डोडा चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम के प्रभारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जसविंदर सिंह उर्फ जस्सू के रूप में हुई है।

अवैध पिस्तौल सहित आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बाई पास नहर पुल नजदीकी सब्जी मंडी ऐलनाबाद क्षेत्र से एक युवक को 315 बोर अवैध राईफल सहित काबू करने में सफलता हासिल की है।

18 और 19 जून को लगेगी पहली कट ऑफ लिस्ट

कॉलेजों में यूजी में दाखिले को लेकर पोर्टल पर 9 जून तक करें रजिस्ट्रेशन

एमएम कॉलेज में बीए साइक्लॉजी को मिली मंजूरी

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

यूजी कोर्सों के लिए कॉलेजों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र में 9 जून अंतिम तारीख एडमिशन के ऑनलाइन आवेदन करने के लिए तय की गई है। है। 10 जून तक स्टूडेंट्स किये गए आवेदनों में अपनी त्रुटि में कोरेक्शन कर सकेंगे। 15 जून तक कॉलेजों को विद्यार्थियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की वेरिफिकेशन करनी होगी। मैरिट लिस्ट के आधार पर पात्र विद्यार्थियों की सूची 16 जून को चस्पा की जाएगी। इसके बाद कॉलेजों में एडमिशन को लेकर 19 जून को पहली कट ऑफ लिस्ट जारी होगी। फतेहाबाद के एमएम कॉलेज, राजकीय महिला महाविद्यालय भोड़ियाखेड़ा व राजकीय महाविद्यालय डाइट मताना में एडमिशन को लेकर विद्यार्थियों में इस बार उत्साह नजर आ रहा है। एमएम कॉलेज में विद्यार्थियों की सहायता के लिए प्रबंधन समिति द्वारा हैल्प डेस्क भी लगाए गए हैं। उधर, एमएम कॉलेज में इस वर्ष से बीए में साइक्लॉजी विषय की कक्षाएं भी शुरू होने जा रही हैं। इसको लेकर विभाग द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। कॉलेजों में 19 जून को पहली फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। कॉलेजों में दाखिले के लिए स्टूडेंट्स पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। शहर के राजकीय महाविद्यालय मताना, राजकीय महिला महाविद्यालय भोडियाखेड़ा, एमएम कॉलेज सहित जिला में भूना, टोहाना में स्थित कॉलेज में एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की फीस चैक के लिए भी लिंक जारी कर दिया है। इस लिंक पर जाकर स्टूडेंट्स अपनी जमा की गई रजिस्ट्रेशन की फीस को कन्फर्म कर सकेंगे कि फीस की पेमेंट सबमिट हुई या नहीं। कॉलेज दाखिले के जारी हुए शेड्यूल के अनुसार 16 जून तक रजिस्ट्रेशन की मेरिट लिस्ट तैयार की होगी। पहली प्रोविजनल कॉलेज की मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी की जाएगी। पहली कट ऑफ लिस्ट 19 जून को जारी होगी। पहली सूची के विद्यार्थियों को 20 जून से 23 जून तक फीस जमा करवानी होगी। दूसरी कट ऑफ लिस्ट 26 जून को जारी होगी। पहली सूची के विद्यार्थियों को 27 जून से 29 जून तक फीस जमा करवानी होगी। 1 जुलाई को बची हुई सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग होगी। 2 जुलाई को बकाया सीटों के लिए दोबारा ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल खोला जाएगा। 3 जुलाई से 9 जुलाई तक खाली पड़ी सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग होगी। 3 व 10 जुलाई को लेट फीस के साथ विद्यार्थी बची सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

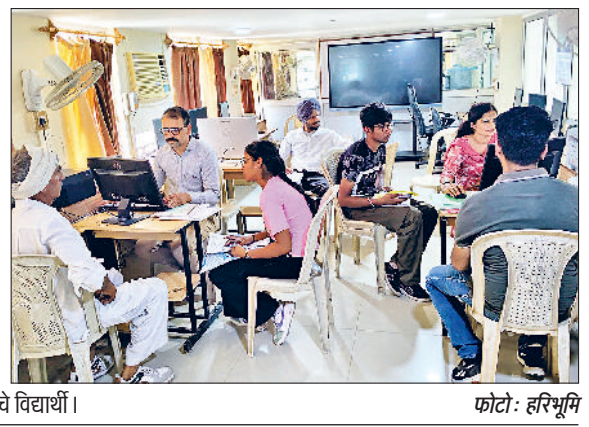

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज का एडमिन ब्लॉक व एमएम कॉलेज में हैल्प डेस्क पर पहुंचे विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

एमएम कॉलेज में कुल सीटें

⏭बी.ए.	800
⏭बी.ए. पंजाबी ऑनर्स	40
⏭बी.कॉम.	240
⏭बी.बी.ए.	60
⏭बी.एससी. मेडिकल	60
⏭बी.एससी. नॉन मेडिकल	80
⏭बी.सी.ए.	100

एडमिशन के लिए आवश्यक दस्तावेज

कॉलेज में एडमिशन के लिए स्टूडेंट को पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आधार कार्ड, 10वीं व 12वीं कक्षा के प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, इनकम सर्टिफिकेट, ईमेल आईडी व अन्य दस्तावेज होना जरूरी हैं।

स्टूडेंट्स रजिस्ट्रेशन में लापरवाही न बरतें

कॉलेज में एडमिशन के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी शैडयूल के अनुसार एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कॉलेज में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हैल्प डेस्क बनाया गया है। कॉलेज की राजीव गांधी लाइब्रेरी के ऊपर बने कार्यालय में विद्यार्थी पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए विद्यार्थियों को आवश्यक डॉक्युमेंट साथ लाने होंगे। इसके लिए मात्र 100 रुपये फीस निर्धारित की गई है। स्टूडेंट्स ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते वक्त लापरवाही न बरतें। जल्दबाजी में छोटी चूक की वजह से एडमिशन में परेशानी हो सकती है। -प्रो. गुरचरण दास, प्रिंसीपल एमएम कॉलेज

फतेहाबाद। राजकीय महाविद्यालय फतेहाबाद में बच्चों के दाखिले के लिए स्थापित किया गया हेल्प डेस्क। *फोटो: हरिभूमि*

सरकारी कॉलेज को मताना डाइट भवन में किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

राजकीय महिला महाविद्यालय में अस्थाई तौर पर चल रहे राजकीय महाविद्यालय फतेहाबाद को अब डाइट भवन, मताना में शिफ्ट कर दिया गया है। महाविद्यालय स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए प्रेरित किया गया तथा उन्हें इस स्थानांतरण के लाभों और शैक्षणिक सुविधाओं से अवगत कराया गया। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार सैनी ने महाविद्यालय में चल रहे स्थानांतरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने महाविद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के महत्व पर विस्तार से संबोधित किया। प्राचार्य डॉ. जयभगवान यादव ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के बच्चों को राजकीय महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करें। राजकीय महाविद्यालय, फतेहाबाद में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, अर्थशास्त्र, भूगोल, शारीरिक शिक्षा, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान विषय पहले से संचालित थे। इस सत्र से निदेशालय, उच्चतर शिक्षा द्वारा दो नए विषय पंजाबी और मनोविज्ञान प्रदान किए गए हैं, जो इससे पूर्व उपलब्ध नहीं थे। अब महाविद्यालय कुल 11 विषयों में शिक्षा प्रदान कर रहा है।

फर्जी हकीम ताज मोहम्मद का रिमांड पूरा, पासपोर्ट बरामद

फतेहाबाद। बाहरी लेन देन का कोई सुराग नहीं देश द्रोह के आरोपों से घिरे मुश्ताक अहमद उर्फ ताज मोहम्मद को आज पुलिस ने 4 दिन का रिमांड खत्म होने के बाद ड्यूटी मजिस्ट्रेट जोगिन्द्र जांगडा की अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी को 6 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। गौरतलब है कि आरोपी को पुलिस ने 15 मई को बीएनएस की धारा 197 (1डी) में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था और तब अदालत ने आरोपी को 29 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। पुलिस ने आरोपी की जमानत याचिका के जवाब में अदालत को बताया था कि आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 152 भी जोड दी गई है। पुलिस ने पूछताछ के लिए आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर 20 मई को सीजेएम सुयशा जावा की अदालत में पेश कर 7 दिन का पुलिस रिमांड मांगा था लेकिन दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने 4 दिन का पुलिस रिमांड ही दिया था। शनिवार को पुलिस ने अदालत से आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह किया था जिस पर अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के मुताबिक अदालत को दिए रिमांड पेपर में पुलिस ने कहा कि आरोपी से उसका पासपोर्ट बरामद किया है जो 7 नवंबर 2022 से 6 नवंबर 2032 तक वैध है। आरोपी के बैंक खाते की डिटेल भी खंगाली गई। आरोपी के एक बैंक खाते में 5 लाख 70 हजार 724 थे जिसमें से 5 लाख 68 हजार 119 रुपयों की निकासी हुई है। इस खातें में बाहरी लेन देन रुपयों का कोई सुराग नहीं मिला है।

फतेहाबाद में चेकिंग अभियान के तहत कार्रवाई

2 स्कूल बसें इंपाउंड, 6 के काटे चालान

- आयोग की टीम ने विभागों के अधिकारियों के साथ ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, पंचकूला के सदस्य अनिल कुमार लाठर व श्याम शुक्ला द्वारा जिला फतेहाबाद का दौरा किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी था। इस दौरान आयोग की टीम ने विभिन्न विभागों परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण विभाग, अग्निशमन विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में बैठक कर सुरक्षित वाहन पॉलिसी के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में जीएम रोडवेज अजय दलाल, जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, बाल कल्याण समिति से नरेन्द्र मोंगा व सतबीर, जिला बाल संरक्षण अधिकारी शिव कुमार, संरक्षण अधिकारी सुरजीत बाजिया, लीगल आफिसर बृजेश सेवदा, आरटीए से ऋषिपाल, फायर ब्रिगेड से प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

फतेहाबाद। स्कूलों की बसों की जांच करते टीम सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

विभिन्न स्कूलों का दौरा

इसके बाद टीम ने स्कूल बस जांचने हेतु विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। बाल संरक्षण अधिकारी सुरजीत बाजिया ने बताया कि आयोग के सदस्यों की अध्यक्षता में टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों में दौरा किया। इस दौरान स्कूल बसों में पाई गई कमियों के आधार पर बसों के चालान किए गए और मामूली कमियों के लिए स्कूलों को हिदायतें दी गई। इसमें टीम द्वारा बारीकी से ड्राइवर लाइसेंस, पुलिस वेरिफिकेशन आदि रिकॉर्ड की जांच की। जांच के आधार पर कार्यवाही करते हुए 2 बसों को इंपाउंड किया गया व 6 बसों के चालान किए गए।

गर्मी से बचाव के लिए एहतियात बरतें : डीसी

- गर्मी से बचाव के लिए एहतियात बरते आमजन : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला प्रशासन ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर जिलावासियों से आह्वान किया है कि वे हीट स्ट्रोक से बचने के लिए जरूरी बचाव, उपाय व सावधानियां बरतें। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि हीट वेव के प्रभाव को कम करने और हीट स्ट्रोक के कारण गंभीर बीमारी या मृत्यु से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतें।

क्या करें

स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें, रेडियो सुनें, टीवी देखें ताकि अपने क्षेत्र में गर्मी की तीव्रता का पता रहे। पर्याप्त पानी पीएं, हल्के रंग के ढीले और छिद्रपूर्ण सूती कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय काला चश्मा, छाता, पगड़ी, दुपट्टा, टोपी, जूते या चप्पल पहनें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी जरूर रखें। घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें। कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, दौरे जैसे हीट स्ट्रोक, हीट रैश के संकेतों को पहचानें। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। अपने घर को ठंडा रखें। धूप से बचने के लिए दिन के दौरान पर्दे, शटर का उपयोग करें किंतु रात में खिड़कियां खुली रखें। पंखे का प्रयोग करें और ठंडे पानी से नहाएं। कार्य स्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध रखें। श्रमिक सीधी धूप से बचने के लिए जरूरी सावधानी बरतें। कार्य के लिए दिन के कम तापमान वाले समय का चयन करें। बाहरी गतिविधियां कम करें। गर्भवती महिलाओं और श्रमिकों को गर्मी से बचाव पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए।

क्या न करें

धूप में बाहर जाने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने का प्रयास करें। गहरे, भारी या तंग कपड़े पहनने से बचें। बाहरी तापमान अधिक होने पर कठोर श्रम वाली गतिविधियों से बचें। अधिक गर्मी के समय खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र को पूरी तरह से हवादार बनाएं जिसके लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय पीने से बचें। उच्च प्रोटीन वाले तथा बासी भोजन न करें। बच्चों और पालतू जानवरों को अकेला न छोड़ें। पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें।

दूसरे को जमीन बेचने की रंजिश के चलते किसान से की मारपीट, ट्रैक्टर चलाकर फसल की नष्ट

फतेहाबाद। गांव भड़ोलांवाली में जमीन दूसरे को बेचने की रंजिश के चलते दो लोगों ने पहले एक किसान के खेत में ट्रैक्टरों से फसल नष्ट कर दी और बाद में उसके साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। घायल किसान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भड़ोलांवाली निवासी अमर सिंह ने कहा है कि उसका हांसपुर में नहर के पास खेत है जिसमें उसने ज्वार की फसल बोई हुई थी। गत दिवस रात को हरजीत सिंह उर्फ गोरा व बूटा सिंह निवासी भड़ोलांवाली अपने 3-4 साथियों के साथ उसके खेत में गए। इसके बाद बूटा सिंह व हरजीत सिंह ने अपने-अपने ट्रैक्टरों से उसकी जफसल को नष्ट कर दी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 53.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 53.19%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 53.12%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 52.92%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 52.82%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 37.94%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.78%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.46%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.15%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 27.09%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्रेज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्रेज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

खबर संक्षेप

श्री हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव 29 से

सिरसा। श्री हनुमान मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अग्रसेन कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मंदिर का 28वां वार्षिक उत्सव आगामी 29-30 मई को धूमधाम से मनाया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान कुलदीप मित्तल ने बताया कि 29 मई को को प्रातः ध्वज पूजन होगा। इसके पश्चात मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा आरंभ होगी, जो अग्रसैन कॉलोनी की परिक्रमा करते हुए मंदिर में संपन्न होगी। प्रचार मंत्री तेज प्रकाश गुप्ता ने बताया कि 29 मई को भव्य भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन गायक राजेंद्र गनेरीवाला मधुरवाणी में हनुमान महाराज की महिमा का गुणगान करेंगे।

बरूवाली प्रथम में एसएमसी कमेटी का गठन

सिरसा। राजकीय उच्च विद्यालय बरूवाली प्रथम में शनिवार को एक सांझी हुई जिसमें राजकीय उच्च विद्यालय और राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरुवाली-1 में पढने वाले बच्चों के अभिभावकों, सरपंच ग्राम पंचायत के सदस्यों और अन्य गांव के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस सभा का मुख्य एजेंडा दोनों विद्यालयों के लिए एसएमसी का गठन करना था। इस सांझी सभा में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से दोनों विद्यालयों के लिए एसएमसी का चुनाव किया।

दिहाड़ी करने गया परिवार चोरों ने किया हाथ साफ

सिरसा। ऐलनाबाद पुलिस ने गांव हुमायूखेड़ा निवासी बिमला की शिकायत पर इसी गांव निवासी दो लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में बिमला ने बताया कि उनका परिवार मनरेगा में दिहाड़ी करने के लिए गया हुआ था। शुक्रवार दोपहर को दो लोग उनके घर में घुसे और घर से चांदी की चेन, कानों की बालियां व 35 किलो गेहूं चुरा ली। आसपास के लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और इस बारे में उन्हें अवगत करवाया। जिसके बाद डॉयल 112 को सूचित किया। उन्होंने संजय पुत्र राजू राम व अर्जुन पुत्र पूर्णराम निवासी सुंदरनगरी हुमायूखेड़ा के रूप में की।

हत्या के प्रयास के आरोपी को किया गिरफ्तार

टोहाना। जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना की पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक पुत्र सुभाष निवासी नांगला के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि जयबीर निवासी नांगला की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि 20 मई को उसका भाई सोनू गांव गया हुआ था। उसी दौरान उसे सूचना मिली कि गांव के ही अनिल पुत्र मेजर, अनिकेत और अभिषेक पुत्र सुभाष, तीनों निवासी नांगला, सोनू को जान से मारने की नीयत से उसकी तलाश कर रहे हैं। जब जयबीर और उसका भाई विनोद सोनू को देखने गांव पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि सोनू गंभीर रूप से घायल पड़ा हुआ था।

बीडीपीओ ऑफिस में किसी बात को लेकर हुई थी कहासुनी

सरपंच और बीजेपी नेता आपस में भिड़े, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ दी शिकायत

गाली-गलौच मारपीट व कपड़े फाड़ने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। बीडीपीओ कार्यालय में मारपीट करते ग्रामीण। (फाइल फोटो) फोटो: हरिभूमि

रतिया में सरपंच और बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष के बीच शुक्रवार को हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिए हैं। रतिया शहर पुलिस ने सरपंच सर्वजीत सिंह की शिकायत पर बीजेपी नेता धर्मपाल शर्मा के खिलाफ, जबकि धर्मपाल शर्मा की शिकायत पर सरपंच व उसके पांच अन्य साथियों पर केस दर्ज किया है। दोनों ही पक्षों पर भारतीय न्याय संहिता की पांच धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भुंदड़वास के सरपंच सर्वजीत सिंह ने बताया है कि वह 23 मई को अपने किसी काम के लिए बीडीपीओ ऑफिस रतिया आया था। वहां पर गांव का ही पूर्व सरपंच धर्मपाल शर्मा पहले से ही बैठा था। वहां एसडीओ भी मौजूद थे। वहां पर किसी बात को लेकर सामान्य बातचीत हो रही थी। अचानक से पूर्व सरपंच ने तैश में आकर उसके साथ हाथापाई व गाली-गलौज शुरू कर दी। उसको धर्म के खिलाफ गाली देकर उसके कपड़े, दस्तार, दाढ़ी व केश आदि पकड़ कर घसीटने लगा। बाल पकड़कर नीचे गिराकर उसको थप्पड़ मुक्के भी मारे व कपड़े फाड़ दिए। आरोप है कि धर्मपाल पहले से ही चुनाव में हार जाने के कारण चुनावी रंजिश रखता है। उसके कार्यकाल के दौरान हुए घपले के कारण जांच भी चल रही है, जिसकी वजह से भी वह उससे रंजिश रखता है। उसने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है।

पुलिस को दी शिकायत

दूसरी तरफ पुलिस को दी शिकायत में बीजेपी नेता एवं पूर्व सरपंच धर्मपाल ने कहा कि वह अपने निजी काम के लिए बीडीपीओ ऑफिस गया था। वहां उसके साथ गांव भुंदड़वास निवासी सतवीर भी था। वहां सरपंच सर्वजीत सिंह और उसको घूरने लगा। वह वहां से उठकर एसडीओ ऑफिस की तरफ चला गया तो सरपंच सर्वजीत ने उसे रोककर गंदी गालियां देते हुए कहा कि तूने मेरी आरटीआई लगवा रखी है।आरटीआई लगाने वाले की तूं पैरवी करता है। तेरे को हम बताते हैं। यह कहकर उसके थप्पड़ मुक्के, लात घुसे मारने शुरू कर दिए तथा नीचे गिरा दिया। पूरी प्लानिंग के अनुसार उसे बेइज्जत करने के लिए वहां पर मक्खन सिंह, चमकौर सिंह, अमृतपाल, मनजीत, कुलविंद्र भी सर्वजीत सरपंच के साथ आ गए। आते ही मक्खन सिंह ने सतवीर से गाली गलौच करते हुए थप्पड़ मारा। उसे भी गालियां दी। इसके बाद इन लोगों ने उनके साथ मारपीट की। ये लोग सरपंची के इलेक्शन की रंजिश रखते हैं।

यह है पूरा मामला

बता दें कि शुक्रवार 23 मई को रतिया के बीडीपीओ कार्यालय में गांव भुंदड़वास के सरपंच सर्वजीत सिंह और पूर्व सरपंच धर्मपाल शर्मा के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के साथ मारपीट के आरोप लगाए। सरपंच सर्वजीत सिंह के समर्थकों ने धर्मपाल शर्मा व उसके साथी को पीट दिया था। इस मामले में रतिया एसएचओ रणजीत सिंह ने कहा कि फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड

आरपीएस के छात्रों ने प्रथम इंटरनेशनल रैंक की प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के चार विद्यार्थी जयश्री, हिमांशी, भव्या तथा पीहू ने 100 प्रतिशत स्कोर कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैं। विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाई है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। आरपीएस के विद्यार्थी आज प्रदेश व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। संस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही आरपीएस की पहचान है।

45 बच्चों को मिली सफलता

सिल्वर जोन इंटरनेशनल के अंग्रेजी विषय में नवीश यादव, अनिमेष, अंकित कुमार, प्रियांशी यादव, वेदांशी, आरव कौशिक, रक्षा, दिव्या, खुशी यादव, प्रिया, साक्षी तथा मैथ ओलंपियाड में इशू, आरव, अंकित कुमार, आरव, यश, यश कुमार आरव कौशिक, मुकुल यादव, नैतिक, जय श्री, रक्षित, ज्योति, मानवी, हिमांशी, जियान, भव्या तथा साइंस ओलंपियाड में नवीश यादव, सक्षम आर्य, देवांश, आरव कौशिक, मुकुल यादव, आयुष सांगवान, जयश्री, अश्विन, हिमांशी, जिया, भव्या, पीहू, यशवर्धन राजपूत, दर्श, हर्ष, सैंटी, वंशिका सिंह सहित 45 बच्चों ने सफलता प्राप्त की है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस के उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हैड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी।

गांव गुल्लर वाला पहुंचा फतेहाबाद पुलिस का नशा मुक्ति अभियान, नुक्कड़ सभा के माध्यम से किया जागरूक

9 नशाग्रस्त व्यक्तियों को मिली निःशुल्क चिकित्सा व परामर्श दिया

- उपनिरीक्षक सुन्दर सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव गुल्लरवाला में ग्रामीणों को जागरूक करते उपनिरीक्षक सुंदर सिंह।

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान अब एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी क्रम में गांव गुल्लर वाला में उपनिरीक्षक सुन्दर सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने नुक्कड़ सभा का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समाज को नशे की लत के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा पीड़ितों को समय पर चिकित्सा व मानसिक परामर्श प्रदान करना था। सभा में बड़ी संख्या में मनरेगा श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पुलिस अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उपस्थित जनसमूह को नशे की लत के सामाजिक, मानसिक और आर्थिक दुष्परिणामों से अवगत कराया। वक्ताओं ने युवाओं से विशेष अनुरोध किया कि वे नशे से दूर रहें और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं। यह संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति विशेष, बल्कि समूचे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि नशे के शिकार 9 लोगों की पहचान की गई और उन्हें मौके पर ही काउंसलिंग प्रदान की गई। उनकी स्थिति के अनुसार उन्हें आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक औषधियाँ निःशुल्क वितरित की गई। इस सहयोग ने न केवल पीड़ितों को नया संबल दिया, बल्कि अन्य ग्रामीणों को भी सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। एसपी ने कहा कि फतेहाबाद पुलिस का यह अभियान सिर्फ कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि यह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक ठोस पहल है।

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्री श्याम बगीची धाम में भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से एकादशी के उपलक्ष्य में शुक्रवार रात को भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। इसके बाद में टी सीरीज सिंगर गुरबंस राही ने भजन- हारे का सहारा है मेरा श्याम खाटू वाला, मेरे श्याम का जादू है सर चढ़ के बोलेगा, सब झूमो नाचो गाओ वो आने वाला है, पगड़ी बांध रहा है नीले चढने वाला है, वो आएगा आएगा आएगा नीले चढ़ सांवरा आएगा सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। बाद में ऐलनाबाद से आए भजन गायक अमित तिवाड़ी ने बाबा श्याम की कथा प्रस्तुत की और भजन- कुछ तो है सरकार तेरी सरकारी में, सासू जी खाटू जावांगा खाटू में बाबो श्याम विराज, बाबो बैठयो है जां लेनो है सो मांग ले सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। जिन पर श्रद्धालु रात भर झूमते रहे। रात को सवा नौ बजे बाबा श्याम की रसोई का प्रसाद वितरित किया गया।

न्यूज डायरी

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाई अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती

फतेहाबाद। महान समाजसेविका एवं महिलाओं का उत्थान करने वाली अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती जिला भाजपा महिला मोर्चा द्वारा शनिवार को बीजेपी जिला कार्यालय में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश सचिव सरोज सिहाग ने शिरकत की। विशेष अतिथि के रूप में बीजेपी के जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष डॉ. सुमन बजाज ने की। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने अहिल्या बाई होल्कर को पुष्प अर्पित कर भावांजलि दी तथा उनके जीवनकाल को याद दिया। मुख्य वक्ता सरोज सिहाग ने कहा कि देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों, समाज की महान हस्तियों के सम्मान में इस प्रकार के आयोजन देशवासियों को भारत की संस्कृति से जोड़कर रखते हैं।

पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट स्वर्णकार संघ का प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिला

सिरसा। भादरा बाजार में एक स्वर्णकार की दुकान से चोरी हुई चांदी व सोने के मामले में पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई न किए जाने के विरोध में स्वर्णकार संघ, हरियाणा का एक प्रतिनिधिमंडल व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष हीरालाल शर्मा की अध्यक्षता में जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता से मिला। प्रतिनिधिमंडल में स्वर्णकार संघ के तहसील प्रधान लीलाधर सोनी, संघ के मुख्य सलाहकार सुखविंद्र सोनी, जिला प्रधान प्रमुदयाल सोनी, व्यापार मंडल के शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, बंसी सोनी, सुरजीत सोनी, व्यापार मंडल के शहरी उपप्रधान कस्तूर, संजय सोनी, साहबराम चोपटा, विक्रम सोनी बेगू, देवेंद्र सोनी, शंकर सोनी, मनोज सोनी, अमर सिंह सोनी, काशीराम सोनी, विष्णु सोनी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल की बात को ध्यान से सुना और आश्वस्त किया कि वे इस मामले की फिर से बारीकि से जांच करवाएंगे।

नामधारी समाज ने चौधरी देवीलाल विवि के कुलपति का जताया आभार

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में सतगुरु राम सिंह समागार के नामकरण करने पर शनिवार को नामधारी संगत का शिष्टमंडल कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से भेंट करने विश्वविद्यालय पहुंचा और उनका आभार व्यक्त किया। शिष्टमंडल ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिश्नोई के विशेष प्रयासों से यह संभव हो पाया। शिष्टमंडल ने कुलपति को सम्मानित करते हुए कहा कि यह निर्णय नामधारी पंथ और समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक जागरूकता और स्वदेशी के प्रेरणास्रोत सतगुरु राम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल का नाम सतगुरु राम सिंह सभागार रखने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

जीआरजी स्कूल में तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर

सिरसा। जीआरजी स्कूल में भाविप की ओर से तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर आयोजित किया गया जिसमें सिरसा एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष अरविंद बंसल व महासचिव सुरेश गोयल ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। सोसायटी के प्रधान अरविंद बंसल ने कहा कि इस तरह के शिविर ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और रचनात्मक गतिविधियों से परिपूर्ण होते हैं, जिससे बच्चों में नैतिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास होता है। समय-समय पर इस प्रकार के शिविरों का आयोजन होते रहने चाहिएं। शिविर के दौरान बच्चों को योग अभ्यास, प्रेरक कहानियां, रामायण व श्रीमद्भागवत गीता के श्लोक उच्चारण, स्वास्थ्य चर्चा, आहार संबंधी आदतें, साइबर सुरक्षा व विद्यार्थियों में बढ़ते तनाव पर विशेषज्ञों द्वारा विचार सांझे किए गए। पवन कुमार सुथार ने स्कूली बच्चों को कानूनी सहायता व पोक्सो एक्ट की जानकारी से अवगत करवाया। ब्रह्माकुमारी स्वाति ने प्रेरणादायक वक्तव्य के माध्यम से अध्यात्म की जानकारी दी।

फतेहाबाद में 12 हवलदार हुए पदोन्नत, जन्मदिन पर आजाद सिंह पदोन्नत होकर बने एएसआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस के हवलदार आजाद सिंह के लिए आज का दिन एक ऐतिहासिक और अविस्मरणीय क्षण लेकर आया। उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर ही उन्हें प्रधान सिपाही से सहायक उपनिरीक्षक यानि एएसआई पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। यह संयोग न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे विभाग के लिए हर्ष और गर्व का विषय रहा। इसके अलावा जिला पुलिस के 12 हवलदार पदोन्नत होकर एएसआई बन गए हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने स्वयं आजाद सिंह को जन्मदिन व पदोन्नति की शुभकामनाएं दीं तथा उनके साथ पदोन्नति प्राप्त करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को भी उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित और मेहनती कर्मियों को समय पर मिलने वाला सम्मान, न केवल उनकी मेहनत की पहचान है, बल्कि यह पूरी पुलिस सेवा के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

केक काटकर दी बधाई

जिला पुलिस में 12 हवलदार पदोन्नत होकर एएसआई बने हैं, इनमें राजेश कुमार, रघुबीर सिंह, देवेंद्र सिंह, आजाद सिंह, कुलदीप सिंह, राममेहर, जय सिंह, रामकुमार, जगदीश चंद्र, रामस्वरूप, महेंद्र सिंह व ईश्वर सिंह शामिल हैं। इस अवसर पर डीएसपी क्राइम एवं मुख्यालय संजय कुमार तथा डीएसपी ट्रैफिक कुलवंत सिंह ने आजाद सिंह का जन्मदिन केक कटवाकर उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। पुलिस विभाग के अन्य अधिकारियों और सहकर्मियों ने भी सभी नव पदोन्नत कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल और सफल करियर की कामना की।

राजकीय विद्यालय में अव्वल रहे विद्यार्थियों को किया सम्मानित

चोपटा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बकरियांवाली में विद्यार्थी सम्मान समारोह हुआ जिसमें 10वीं व 12वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों दुर्गा, अनु कंवर, रितु, प्रदीप कुमार, सोमदेव तथा अमनी व 10+2 में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों अश्मनी, मुस्कान तथा पुष्पा को स्मृति चिह्न देखकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांझी सभा का भी आयोजन किया गया तथा निवर्तमान एसएमसी के कार्यों का सोशल ऑडिट किया गया। अभिभावकों की सांझी सभा द्वारा नई एसएमसी का गठन किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रधान राजेश कुमार तथा उप प्रधान ममता को चुना गया। देवी राम सहारण पंचायत प्रतिनिधि तथा लालचंद कासनिया शिक्षाविद के रूप में एसएमसी में शामिल किए गए। प्राचार्य शीशपाल जाखड़ ने आए हुए मेहमानों का आभार प्रकट किया।

एक साल से उनके वार्ड की सड़क बदहाल, जुलाई 2024 से सीवरेज लाइन भी पूरी तरह बंद

समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग में 20 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें करवाई दर्ज, नहीं हुआ समाधान

सीवरेज व पेयजल समस्या से खफा पार्षद ने सोमवार से आमरण अनशन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अशोक नगर में सडक़ों पर जमा सीवरेज का गंदा पानी

शहर के वार्ड नंबर 9 स्थित अशोक नगर में पेयजल आपूर्ति व ठप्प सीवरेज व्यवस्था से परेशान नगर पार्षद ने अब सोमवार से आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है। वार्ड नंबर 9 के पार्षद सुभाष नायक ने चेतावनी पत्र भी जारी कर कहा है कि वह पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा दी जा रही मानसिक परेशानी के चलते सोमवार 25 मई को सुबह 11 बजे विभाग के कार्यालय में आमरण अनशन पर बैठेंगे। पार्षद सुभाष ने बताया कि पिछले एक साल से उनके वार्ड की यह सड़क बदहाल है और जुलाई 2024 से सीवरेज लाइन पूरी तरह बंद है। इसके कारण सड़क पर गंदा पानी जमा हो रहा है और बदबू फैल रही है। लोगों का अपने घरों में बैठना तक दूभर हो गया है। पार्षद ने कहा कि उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए जनस्वास्थ्य विभाग में 20 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें दर्ज की हैं और कई बार विभाग के दफ्तर जाकर अधिकारियों से अपील भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ब्रह्मकुमारी आश्रम रोड, जो माजरा रोड और अशोक नगर मोहल्ले से होकर नेशनल हाईवे तक जाती है, पर जमा गंदा पानी बदबू और वाहन चालकों के लिए भी खतरा बना हुआ है।

वीरवार रात बुस्टिंग स्टेशन पहुंचे थे लोग

बता दें कि अशोक नगर में पेयजल संबंधी दिक्कत के चलते गुरुवार रात को पार्षद सुभाष नायक वार्डवासियों के साथ योग नगर के बूस्टिंग स्टेशन पर पहुंच गए थे। वहां उन्होंने कर्मचारियों के सामने पानी सप्लाई की कमी से संबंधित समस्या रखी थी। उन्होंने कर्मचारियों को बताया था कि उनके वार्ड की एक भी गली में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके बाद शुक्रवार को वार्ड की महिलाओं को साथ लेकर पार्षद सुभाष नायक ने वार्ड में मटका फोड़ प्रदर्शन करके भी रोष जताया था। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है, इसलिए अब आमरण अनशन का ऐलान किया गया है।

सुपर सकर मशीन के लिए 28 को खुलेगा टेंडर

अशोक नगर एरिया में सीवर की सफाई सुपर सकर मशीन से करवानी है। उसके लिए प्राइवेट एजेंसी से मशीन हायर की जानी है। इसको लेकर दो बार टेंडर लगाए गए थे, लेकिन कोई एजेंसी नहीं आई। अब 28 मई को टेंडर खुलेगा। टेंडर खुलते ही सीवरेज लाइन सफाई का काम शुरू कर दिया जाएगा। गर्मी में पानी की थोड़ी कमी रहती है। कुछ लाइट कट लगने के कारण सप्लाई छोडने में दिक्कत आती है। बाकी विभाग समस्याओं का समाधान करवाने के प्रति पूरा गंभीर है।

चेतावनी पत्र में बोले पार्षद

सोशल मीडिया पर डाले गए वार्ड पार्षद सुभाष नायक के चेतावनी पत्र में लिखा गया है कि अशोक नगर ब्रह्मकुमारी आश्रम रोड की बदहाल हालत, सीवर व गंदगी से परेशानी, पानी आपूर्ति न होने से परेशान वार्ड नंबर 9 के पार्षद सुभाष नायक पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा दी गई मानसिक परेशानी के चलते 26 मई सोमवार को सुबह 11 बजे जनस्वास्थ्य विभाग कार्यालय में आमरण अनशन पर बैठेंगे। इसमें किसी भी तरह की जान-माल की हानि का जिम्मेवार जनस्वास्थ्य विभाग फतेहाबाद होगा।

आबकारी नीति में हुआ संशोधन, 26 से होगी ई-टेंडरिंग

सिरसा। आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा आबकारी नीति साल 2025-27 के लिए महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) सिरसा कंवल नैन ने बताया कि संशोधित नीति के तहत अब आरंभिक सुरक्षा राशि को तीन प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। यह वह राशि है जो बोली के दिन जमा करनी होती है। इससे बोलीदाताओं को प्रारंभिक निवेश में राहत मिलेगी। इसके अलावा लाइसेंस शुल्क की कुल सुरक्षा राशि को भी 15 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया गया है। बताया कि कोटा उठाने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। अब बोली राशि का केवल पांच प्रतिशत सुरक्षा राशि जमा करके कोटा उठाया जा सकेगा, जबकि पहले यह सात प्रतिशत थी। पूर्ण कोटा उठाने के लिए अब 11 प्रतिशत सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। उन्होंने बताया कि नई नीति के तहत लाइसेंस शुल्क का 91 प्रतिशत मासिक किस्तों में जमा करने की सुविधा दी गई है।

नौतपा आज से, 9 दिनों में सूर्य को अर्घ्य दें, जल व छाया के दान का विशेष महत्व

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

सूर्यदेव जब ज्येष्ठ माह में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो धरती पर गर्मी चरम पर पहुंच जाती है। इस समय को नौतपा कहा जाता है। इस बार 25 मई यानि आज से नौतपा शुरू हो रहे हैं। यह अवधि नौ दिन तक चलती है। इस दौरान सूर्य की तपिश मौसम के साथ जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करती है। खासकर स्वास्थ्य, धन और मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है। माना जाता है कि इस दौरान जीव-जंतुओं के लिए गर्मी से बचाव के उपाय करने से समृद्धि प्राप्त होती है। जल व छाया का दान विशेष माना गया है। नौतपा धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से विशेष समय होता है। यह यह सूर्यदेव को समर्पित होता है। सूर्य की पूजा, अघ्र्य और साधना से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि ज्योतिष के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र शुक्र का होता है।

ज्योतिष के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आते हैं, तो गर्मी अधिक बढ़ जाती है

नौपता में शरीर को रखें हाइड्रेटेड

सूर्य और शुक्र एक-दूसरे के शत्रु माने जाते हैं। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आते हैं, तो गर्मी अधिक बढ़ जाती है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सीधे और तीव्र प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि नौतपा में तापमान तेजी से बढ़ता है। इस दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना जरूरी होता है। ज्यादा पानी पिएं। नारियल पानी, जूस जैसे ठंडे पेय लें। दोपहर में बाहर निकलने से बचें। निकलना जरूरी हो तो सिर ढककर जाएं। छांव में रहें।

फतेहाबाद। तेज धूप से बचने की कोशिश करती युवतियां।

सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए दें अघ्र्यः पंडित सोनू शर्मा बताया कि धार्मिक मान्यता है कि नौतपा में कुछ उपाय करने से गर्मी से राहत मिलती है और भाग्य में सुधार आता है। सुबह तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाना शुभ माना जाता है। जल में लाल फूल, अक्षत और रोली डालें। इससे सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं। शरीर को ऊर्जा, सम्मान और सफलता मिलती है। 'ओम घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे मानसिक शांति मिलती है। स्वास्थ्य लाभ होता है। यह मंत्र सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

जीव-जंतुओं के लिए गर्मी से बचाव के उपाय करने से मिलेगी समृद्धि

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार नौतपा में जल का दान करना पुण्य का कार्य माना गया है। प्यासों को पानी पिलाएं। सडकों पर जल पात्र रखें। इससे पितृदोष शांत होता है। जीवन में सुख-समृद्धि आती है। घर में नीम के पत्ते या तुलसी जल का छिडकाव करें। इससे वातावरण शुद्ध रहता है। बीमारियां दूर होती हैं। गर्मी जनित रोगों से बचाव होता है। गायों को पानी पिलाना, चारा देना और जरूरतमंद को छाता या पानी की बोतल दान करना शुभ माना गया है।

खबर संक्षेप

गांव खाई से एक मोटरसाइकिल चोरी

रतिया। वाहन चोरों ने रतिया के गांव खाई से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे सदर रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव चंदो कलां निवासी परमजीत सिंह ने कहा है कि वह गांव खाई के ईंट भट्ठे पर काम करता है। गत दिवस रात करीब 10 बजे वह ईंट भट्ठे पर काम खत्म करके अपने साथ काम करने वाले अमरनाथ के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने जानकारी गांव खाई निवासी राजा सिंह के घर चला गया था।

घर में नाजायज शराब निकालते आरोपी काबू

रतिया। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने गांव हड़ौली के एक मकान में छापेमारी कर एक व्यक्ति को भ_ी लगाकर नाजायज शराब निकालते गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान मेला सिंह पुत्र नेक सिंह निवासी हड़ौली के रूप में हुई है।

हॉस्पिटल में संदीप मित्तल ने लगवाया वाटर कूलर

रतिया। अग्रवाल सभा द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन चेरिटेबल हॉस्पिटल में भीषण गर्मी को देखते हुए वॉटर कूलर लगवाया गया है। अस्पताल में आने-जाने वाले मरीजों व आमजन के लिए ठंडे पानी के लिए रतिया के संदीप मित्तल ने सेवा भाव से हॉस्पिटल में यह वाटर कूलर लगवाया है।

सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम में मेडिकल कैम्प

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे बाईपास पर स्थित श्री सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम, मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। इस मेडिकल कैम्प में आश्रम में रह रहे मंदबुद्धि, बेसहारा बुजुर्गों के स्वास्थ्य की जांच की गई। कैम्प में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद से डॉ. रमेश कुमार व डॉ. वीरा रानी ने अपनी सेवाएं दी और मंदबुद्धि बेसहारा बुजुर्गों का चेकअप किया।

गौशालाओं व संस्थाओं को भेंट किए 2-2 लाख

सिरसा। जयदेव-सहदेव जैन चैरिबेटल ट्रस्ट के प्रधान ललित जैन ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से 9 गौशालाओं व संस्थाओं को 2-2 लाख रुपए के चैक वितरित किए गए, जिनमें श्री शिव गौशाला सेवा समिति डोभी, श्री कृष्ण गौशाला सेवा समिति साहुवाला, श्री सालासर धाम मंदिर, श्री कृष्ण गौशाला बप्पां, श्री कृष्ण मंदिर बाजेकां, श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट, श्री कृष्णा गोपाल गौशाला, श्री कृष्णा गोपाल गौशाला एंड नंदीशाला, श्री कृष्ण गौशाला अहमदपुर दारेवाला शामिल हैं।

भारतीय सेना के शौर्य को किया सलाम

धांगड़ में गूंजे देशभक्ति के गीत तिरंगा यात्रा में उमड़े ग्रामीण

हाथों में तिरंगा थामे सैंकड़ों लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया और शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर आतंकी अड्डों को तबाह करने और पाकिस्तानी सेना को धूल चटाने वाले भारत के वीर जवानों के शौर्य के सम्मान में बीजेपी फतेहाबाद ग्रामीण मंडल द्वारा गांव धांगड़ में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। आज पूरे गांव में देशभक्ति के गीत गूंज उठे और हाथों में तिरंगा थामे सैंकड़ों लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य को सलाम किया और शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजली अर्पित की। इस तिरंगा यात्रा में बीजेपी कार्यकर्ताओं के अलावा अनेक सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सदस्यों, पूर्व स्वतंत्रता सेनानियों, अनेक गांवों के सरपंचों ने भी भाग लिया। फतेहाबाद ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सीताराम पूनियां की अध्यक्षता में निकाली गई तिरंगा यात्रा में विशेष तौर पर भाजपा के जिला महामंत्री अशोक जाखड़, वरिष्ठ नेता अनिल सिहाग ने भाग लिया। यह तिरंगा यात्रा गांव के बस स्टैण्ड से शुरू हुई और विभिन्न स्थानों से होते हुए गुरू जम्भेश्वर मंदिर में यात्रा का समापन हुआ। तिरंगा यात्रा के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए भाजपा के जिला महामंत्री अशोक जाखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर चलाकर भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर न केवल आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया बल्कि इन आतंकियों को संरक्षण दे रही पाकिस्तान सेना को भी सबक सिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत के मजबूर एयर डिफेंस सिस्टम और आधुनिक मिसाइलों ने पाकिस्तान को अमेरिका, चीन और तुर्की से मिले हथियारों को भी मार गिराने का काम किया है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य तौर पर पाकिस्तान को सबक सिखाया वहीं उससे सभी तरह के व्यापार को बंद कर आर्थिक चोट दी। पाकिस्तान जाने वाले भारत के पानी को रोकते हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया गया। पीएम ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए साफ कह दिया है कि ऑपरेशन सिन्दूर अभी जारी है। अब भारत किसी भी सूरत में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और अगर जरूर पड़ी तो दोबारा पाकिस्तान के अंदर घुसकर ऐसे आतंकी अड्डों को तबाह किया जाएगा।

फतेहाबाद। गांव धांगड़ में निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाग लेते भाजपा नेता व ग्रामीण।

यात्रा में ये रहे मौजूद

तिरंगा यात्रा में संयोजक लख्मी शर्मा, गौशाला प्रधान पृथ्वी आमरा, बिश्नोई सभा प्रधान श्रवण भादू, मंडल महामंत्री सीताराम धारणिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रीतम शर्मा, सरपंच सुमित गोदारा, एडवोकेट दलबीर वर्मा सरपंच मताना, जीरा सिंह व रामेश्वर सरपंच एमपी रोही, रामनिवास पूनियां बड़ोपल, राम सिंह मांझू पूर्व उपप्रधान ब्लाक समिति, पवन वर्मा, अनिल भादू के अलावा विभिन्न गांवों के सरपंच, ब्लाक समिति व जिला परिषद सदस्य, बीजेपी कार्यकर्ता, गांव की गौशाला कमेटी, गुरू जम्भेश्वर मंदिर कमेटी, स्वतंत्रता सेनानी संगठन के सदस्यों सहित सैंकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।

वॉइस क्लोनिंग से रहें सावधान!

अब आपकी आवाज बनकर साइबर अपराधी कर रहे ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन।

तकनीक जहां हमारे जीवन को आसान बना रही है, वहीं अब अपराधियों ने इसका इस्तेमाल ठगी के नए हथकंडों में करना शुरू कर दिया है। हाल ही में साइबर ठगी के एक अत्यंत खतरनाक तरीके वॉइस क्लोनिंग के मामले सामने आए हैं, जिनमें अपराधी आपके किसी परिचित की आवाज़ की हूबहू नकल कर आपसे पैसे की मांग करते हैं। इस गंभीर साइबर खतरे को देखते हुए, फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन से सतर्कता बरतने और जागरूक रहने की विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि अब ठग तकनीक के जरिए आपके किसी मित्र या परिजन की आवाज में कॉल कर इमरजेंसी का बहाना बनाकर तुरंत पैसे की मांग करते हैं। यह एक नई और खतरनाक प्रवृत्ति है। मेरी सभी नागरिकों से अपील है कि किसी भी कॉल पर बिना ठोस पुष्टि के पैसे न भेजें।एसपी ने कहा कि किसी भी आपातकालीन कॉल पर भावुक या जल्दबाजी में निर्णय न लें। कॉल करने वाले की पहचान की पुष्टि वीडियो कॉल या टेक्स्ट चैट के माध्यम से जरूर करें। वॉइस क्लोनिंग तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि किसी की भी आवाज़ की सटीक नकल की जा सकती है, इसलिए केवल आवाज़ के भरोसे पैसे न भेजें। अपनी आवाज या व्यक्तिगत बातचीत को सोशल मीडिया या सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर साझा करने से बचें। अपराधी इन्हीं से आपकी आवाज एकत्रित करते हैं। यदि कोई कॉल या संदेश संदेहास्पद लगे, तो इसकी जानकारी तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या निकटतम पुलिस थाना को दें। एसपी ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि वे साइबर अपराधों के प्रति सजग और जागरूक रहें। तकनीक से लड़ाई सिर्फ तकनीक से नहीं, बल्कि आपकी सतर्कता और समझदारी से जीती जा सकती है।

साले ने घर में घुसकर जीजा को पीटा

सिरसा। चोपटा पुलिस ने गांव कुम्हारिया निवासी राममूर्ति पुत्र लीलूराम की शिकायत पर उसके साले राजेश के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। राममूर्ति ने बताया कि उसकी पत्नी सुनीता मनमुटाव की वजह से बच्चों सहित अपने मायके में रह रही है। उसने बताया कि वह अपनी माता के साथ गांव में रहता है। बीती 21 मई को सुबह करीब 9 बजे वह अपने घर पर था, तभी उसका साला राजेश घर में आ धमका और उसने आते ही हमला बोल दिया। उसके थप्पड़-मुक्के मारे व लात से मारा।

धूमधाम से मनाई जाएगी महाराज अरूट जयंती, रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। महाराजा अरूट जयंती को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेते अरोड़ा पंजाबी खत्री कम्युनिटी के सदस्य।

ऑल इंडिया अरोड़ा पंजाबी खत्री कम्युनिटी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा के सानिध्य में एवं जिला अध्यक्ष पार्षद रवि मेहता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 30 मई को महाराजा अरूट जी की जयंती मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा ने बताया कि इस अवसर पर पूरे प्रदेश में 30 मई को ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी द्वारा महाराजा अरूट जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में फतेहाबाद में भी महाराज अरूट जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर जवाहर चौक स्थित श्रीकृष्णा सेवा समिति धर्मशाला में सिटी वेलफेयर क्लब, रेड क्रॉस सोसाइटी, सरबत दा भला संस्थाओं के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था द्वारा समाज के उत्थान में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा वहीं महाराजा अरूट जी की जीवनी विशेषांक का विमोचन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार अशोक छाबड़ा भाग लेंगे। बैठक में कानूनी सलाहकार राजेंद्र कुकड़ेजा, प्रदेश प्रवक्ता विनोद अरोड़ा, महासचिव धर्मपाल चावला, सुभाष मेहंदीरत्त, राजकुमार फुटेला, अंजलि कामरा, ममता रहेजा, पिंकी शर्मा, अजय मेहता, परम अरोड़ा, यश बजाज, देवेन्द्र मोंगा सहित संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

फतेहाबाद में दिव्य गीता सत्संग आज से

फतेहाबाद। श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार फतेहाबाद की ओर से एक भव्य दिव्य गीता सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। इसमें

- स्वामी ज्ञानानंद महाराज करेंगे अमृतवर्षा

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज शिरकत करेंगे। यह सत्संग कल 25 मई से 28 मई तक पुरानी अनाज मंडी शेड के नीचे आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रवीण झंडई ने बताया कि प्रतिदिन सायं 7 से 9:30 बजे तक स्वामी ज्ञानानंद महाराज द्वारा गीता के दिव्य संदेशों का प्रवचन किया जाएगा। सत्संग के पश्चात भंडारा प्रसादी का भी आयोजन किया गया है। जिओ गीता परिवार फतेहाबाद के प्रधान दीपक सरदाना व सचिव नरेन्द्र मोंगा ने जिला वासियों से अपील की कि वे इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरे परिवार सहित पधारकर गीता ज्ञान का लाभ उठाएं व प्रसाद ग्रहण करें।

लायंस क्लब उमंग ने विजेता किए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। लायंस क्लब के पदाधिकारी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रतिभागी एवं विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए।

लायंस क्लब सिरसा उमंग ने शनिवार को एसएस जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में लायंस ओलिंपियाड प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रतिभागी एवं विजेता बच्चों को प्रशस्ति पत्र, मेडल तथा चेक देकर सम्मानित किया। रीजन चेयरमैन रवि अरोड़ा ने कहा कि कि लायंस ओलंपियाड केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है, जो विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमताओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होता है, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक है। क्लब के नवनिर्वाचित प्रधान रमेश बहल ने सभी विजेताओं को बधाई दी तथा आगे भी मेहनत व लग्न से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। नवनिर्वाचित सचिव संदीप मेहता ने आश्वासन दिया कि लायंस क्लब सिरसा उमंग अगले साल में भी विद्यार्थियों के प्रोत्साहन स्वरूप निरंतर प्रोजेक्ट करती रहेगी। गणित तथा विज्ञान विषय में क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त करने पर निशा अग्रवाल एवं मन्नत को स्वर्ण पदक, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर पायल व जिया को रजत पदक तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर लविका और योगेश्वरी को कांस्य पदक प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में विशेष उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निशा एवं मन्नत को प्रोत्साहन स्वरूप चेक भी प्रदान किए गए। प्रधानाचार्य रेणू बाला ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताएं छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनके भविष्य को भी उज्जवल बनाती हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर हिमानी बंसल, सुमन सोनी, रुबिना, रीटा गोयल, राकेश कटारिया, हिमांशु शर्मा और अंजली सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

मैरिट लाने वाली छात्राएं हुई सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना। जांडलीकला की प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित करते हुए सरपंच प्रतिनिधि विजय कमांडो।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांडली कलां में दसवीं और बारहवीं की मैरिट लाने वाली छात्राओं को ग्राम पंचायत ने सम्मानित किया। स्कूल स्टाफ को भी विशेष पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि गांव के सरपंच प्रतिनिधि विजय कमांडो रहे। उन्होंने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया और कहा, स्कूल को पढ़ाई से जुड़ी सभी सुविधाएं दी जाएंगी। शिक्षा में बेटियों को आगे बढ़ाने में स्कूल स्टाफ की भूमिका सराहनीय बताई।

सरपंच विजय कमांडो ने कहा कि छात्राओं को खेलों में भी आगे लाना प्राथमिकता है। इसके लिए धन की कमी आड़े नहीं आएगी। स्कूल की ओर से पहले सभी प्रतिभाशाली छात्राओं का मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। फिर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि ने छात्राओं की सम्मान रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली गांव की गलियों से निकली। ग्रामीणों ने जगह-जगह स्वागत किया। रैली में छात्राओं का जोश देखने लायक था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के पूर्व प्रधान रमेश कुमार ने की। विद्यालय के प्रिंसिपल सतीश कुमार ने बताया, इस वर्ष दसवीं कक्षा की 30 छात्राओं ने परीक्षा दी। सभी पास हुई। 9 छात्राओं ने बोर्ड मेरिट और 6 ने जिला मेरिट हासिल की।

जेसीडी विद्यापीठ में 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों और जेसीडी टॉपर्स हुए सम्मानित

प्रतिभाशाली विद्यार्थी भारत के समृद्ध कल का आधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। परीक्षा परिणाम में टॉपर रही छात्रा को सम्मानित करते डा. जयप्रकाश।

जेसीडी विद्यापीठ द्वारा 12वीं कक्षा की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके शिक्षकों को भी पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में 25 से अधिक स्कूलों के लगभग 300 विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए। इस दौरान जेसीडी मेमोरियल कॉलेज के 67 यूनिवर्सिटी टॉपर्स और 13 कॉलेज टॉपर्स को प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, एनएसएस, एनसीसी के स्वयंसेवकों, खेल, और कला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जय प्रकाश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समारोह में उपस्थित सभी विद्यार्थी और उनके अभिभावक बधाई के पात्र हैं। ये मेधावी विद्यार्थी भविष्य के भारत का आधार हैं और यही छात्र आगे चलकर उच्च पदों पर आसीन होंगे तथा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। हमें गर्व है कि हम ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित कर रहे हैं, साथ ही जेसीडी विद्यापीठ के टॉपर्स को भी पुरस्कृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा की जो विद्यार्थी जेसीडी विद्यापीठ में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनका यहां हार्दिक स्वागत है। यहां उन्हें विश्वस्तरीय शिक्षा के साथ-साथ प्लेसमेंट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा की यदि किसी विद्यार्थी को अपने भविष्य या कोर्स के बारे में कोई संदेह है, तो वह जेसीडी विद्यापीठ में स्थापित प्रवेश परामर्श सेल में आकर उसका समाधान प्राप्त कर सकता है। इस मौके पर उन्होंने कई छात्रवृत्ति योजनाओं की घोषणा की और साथ ही उन्होंने इस आयोजन के लिए डॉ. शिखा गोयल और पूरी आयोजन समिति की प्रशंसा की।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

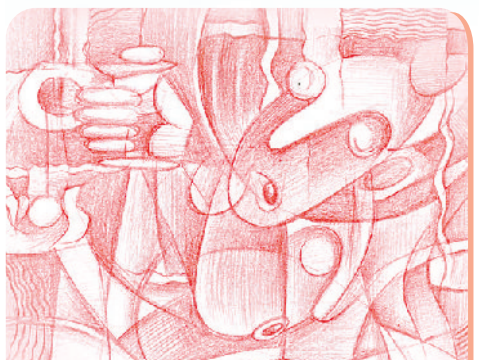

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

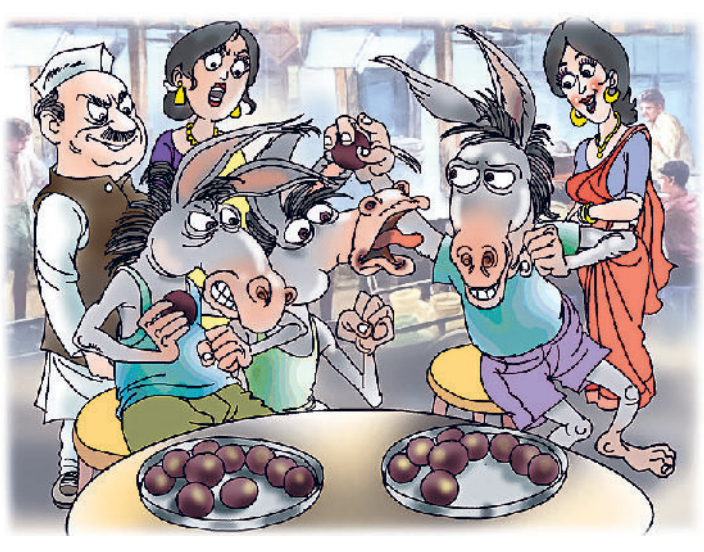

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *